एकाग्रता बढ़ाने में सहायक है संगीत : क्वींस कार्मेल स्कूल

क्वींस कार्मेल स्कूल अपने पाठ्यक्रम में संगीत शिक्षा पर अतिरिक्त ध्यान देता है। क्वींस कार्मेल स्कूल का यह मानना है कि संगीत की शिक्षा यदि बच्चों को प्रारंभिक अवस्था में दी जाती है तो यह उनके मन मस्तिष्क के विकास को प्रोत्साहित करके उन्हें अनुशासन सिखाने तथा उनकी एकाग्रता को बढ़ाने में सहायक होता है। संगीत प्रशिक्षण से बच्चों के मस्तिष्क का तेजी से विकास होता है। यूएससील दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के न्यूरोसाइंटिस्ट द्वारा 5 साल के अध्ययन में उन बच्चों के बीच महत्वपूर्ण अंतर पाया गया जिन्होंने संगीत विशेषकर वाद्य यंत्र का प्रशिक्षण लिया था। हमारे भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर अब्दुल कलाम भी वीणा वादन में निपुण थे। न्यूरोसाइंटिस्ट ने यह पाया कि संगीत से छोटे बच्चों के मस्तिष्क का विकास तेजी से होता हैं। इससे उनमें एकाग्रता, विनम्रता तथा अनुशासित रहने की योग्यता भी आती हैं। बच्चों के मस्तिष्क के विकास के साथ–साथ यह उनमें श्रवण शक्ति का विकास ,भाषा का विकास तथा पढ़ने के कौशल के विकास में भी सहायक होता है। अनेक विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों जैसे हार्वर्ड विश्वविद्यालय उत्तर पश्चिमी विश्वविद्यालय और यूएससील दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के अध्ययन ने भी इसे स्वीकार किया है और यह पाया है कि संगीत से बच्चों का स्नायु तंत्र मजबूत होता है। इसी शोध (यूएससील) पर विश्वास करते हुए क्वींस कार्मेल स्कूल का यह प्रयास है कि बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के वह अपनी छात्राओं को पियानो में "ट्रिनिटी कॉलेज ऑफ लंदन" से संगीत शिक्षा में दक्षता प्रमाण पत्र दिलाने के लिए शिक्षित करें। "आर्ट्स एंड साइंसेज" में बीसीआई में एक वरिष्ठ शोधकर्ता 'असल हबीबी' का मानना है कि श्रवण प्रणाली संगीत से प्रेरित होती है। उनका कहना है कि वाद्य संगीत की शिक्षा से बच्चों में भाषा का विकास, पढ़ने में कौशल और सामाजिकता का विकास होता है। इसीलिए क्वींस कार्मेल स्कूल में कक्षा तीन से सात तक की सभी छात्राओं को पियानो की निशुल्क शिक्षा पूरे सत्र के दौरान दी जाती है। ताकि उनकी स्मरण शक्ति, भाषा ज्ञान तथा सामाजिक ताने–बाने का सर्वोत्तम विकास हो और वह अपना समग्र विकास कर सकें।

संध्या कुमारिया
हेड ऑफ द स्कूल